अमर उजाला
लखनऊ, 17 नवंबर 2010

MyCity

टीसीएस क्विज में एलपीएस ने मारी बाजी

614 टीमों से चुनी छह सर्वश्रेष्ठ टीमों में मुकालबा, चेन्नई में यूपी-उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे रोहित, स्वप्निल

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी का संत गाडगे सभागार मंगलवार को शानदार हाजिर-जवाबी और बेहतरीन तैयारी का साक्षी बना। मौका था टीसीएस द्वारा आयोजित आईटी क्विज-2010 का। 614 टीमों में से चुनी यूपी और उत्तराखंड की छह श्रेष्ठ टीमों के बीच हुई दिमागी कसरत में लखनऊ पब्लिक स्कूल के छात्र रोहित व स्वप्निल ने बाजी मारी। फाइनल 18 दिसंबर को चेन्नई में होगा।

क्विज में शहर के मांटफोर्ट इंटर कॉलेज के प्रत्यूष व ऐश्वर्य, लखनऊ पब्लिक कॉलेज के रोहित वर्मा, शुभांक पांडेय, जयपुरिया स्कूल कानपुर के कार्तिकेय व ऋषभ, समर वैली देहरादून के दिनकर व विनायक तथा डीपीएस कानपुर के शुभम व राहुल शमिल भी थे। विजेताओं को ट्राफी के साथ सैपटॉप दिया गया। इस मौके पर आईआईएम के निदेशक प्रो. देवी सिंह ने कहा कि, बच्चों की तैयारी बता रही है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। यूपीटीयू के कुलपति प्रो. कृपाशंकर ने कहा कि बच्चों ने शानदार तैयारी की थी।

सभागार में सवाल पूछते क्वीज मास्टर गिरी सुब्रह्मण्यम (ऊपर) व विजेता में एलपीएस के विजयी छात्रों को शील्ड देते आईआईएम के निदेशक प्रो. देवी सिंह (नीचे)

'नॉलेज इंटरटेनमेंट शो बनी क्विज'

मास्टर गिरि बाला सुब्रह्मण्यम

भारत के सबसे बड़े बिजनेस क्विज एवं विश्व के सबसे बड़े आईटी क्विज के साथ ही सिंगापुर एवं लंदन में पहला लाइव क्विज शो आयोजित करने वाले क्विज मास्टर गिरि बाला सुब्रह्मण्यम का मानना है कि, प्राचीन दौर व आज के दौर में ज्ञान के स्तर पर सबसे बड़ा अंतर उसके प्रयोग को लेकर है। सुब्रह्मण्यम कहते हैं कि, प्राचीन समय में बुद्धिमान वह था जिसके पास जानकारी होती थी। आज के दौर में जानकारी सबके पास है लेकिन बुद्धिमान वह है जो उसका भरपूर इस्तेमाल कर सके।

मंगलवार को टीसीएस आईटी क्विज का संचालन करने राजधानी आए पिक्रबेन ने कहाकि, आज क्विज एक नॉलेज इंटरटेनमेंट शो बन गया है। यही कारण है कि, ये स्कूल से लेकर टीवी के पर्दे तक अलग-अलग रुप में दिख रहा है। अच्छी बात ये है कि, इसके माध्यम से जानने व सीखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। स्कूलों व कॉलेजों में क्विज शो से मिलने वाले फायदे पर सुब्रह्मण्यम कहते हैं कि, सामान्य तौर पर स्कूलों की पढ़ाई पाठ्यक्रम तक सिमट जाती है जबकि क्विज में सफलता के लिए आपको ग्लोबल नॉलेज व कैंपस के बाहर की एक्टिविटीज की जानकारी होना बहुत जरूरी है। पिकब्रेन कहते हैं कि, लखनऊ में शानदार मेधा है। छह साल पहले जब हमने इसे यहां शुरू किया था तो ये दसवें नंबर पर था। पिछले साल लखनऊ ने दिल्ली, पुणे जैसे शहरों को पीछे छोड़ते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था। बंगलूरू व लखनऊ के बीच अंतर बहुत मामूली था। इससे साफ है कि यहां के बच्चों में शानदार क्रिएशन है।

AMAR UJALA, LUCKNOW
Wednesday, November 17, 2010